भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

राज्यरसभा

लिखित प्रश्न सं. 139 जिसका उत्त र

सोमवार, 24 नवम्बिर, 2014/3 अग्रहायण, 1936 (शक) को दिया जाना है

आन्ध्रप प्रदेश और तेलंगाना में जलमार्गों का विकास

139. **श्री मती तोटा सीताराम लक्ष्मी2:**

क्या् **पोत परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्याप सरकार देश में अन्त्रदेशीय जलमार्ग विकसित करने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो राज्य वार- परियोजनाओं का विशेषकर आन्ध्र□ प्रदेश और तेलंगाना में कार्यान्विऔत किए जाने हेतु नियोजित परियोजनाओं का ब्यौ◌ोरा क्याग है,और

(ग) परियोजना के उद्देश्योंए और उसके टर्मिनल बिन्दुाओं का ब्यौ रा-क्या्प है और

(घ) परियोजनाओं की अनुमानित लागत और कार्यान्वियन की समय-सीमा का ब्यौघरा क्याज? है

उत्तघर

पोत परिवहन राज्यय्मंत्री

(श्री पोन्. राधाकृष्णंन्)

(क) से (घ) जी हां, अभी तक पांच जलमार्गों को राष्ट्री□य जलमार्ग (एनडब्यूय□□□) के रूप में घोषित किया गया है। इसका ब्यौररा इस प्रकार है:-

(i) इलाहाबाद से हल्दिया तक गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली उत्तार प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों् में 1620 कि.मी.का क्षेत्र सम्मि,लित है को 1986 में एनडब्यूद□□□-1 के रूप में घोषित किया गया था।

(ii) असम राज्य में 891 कि.मी. लम्बी धुबरी से सादिया तक ब्रह्मपुत्र नदी को 1988 में एनडब्यू□□□-2 के रूप में घोषित किया गया था।

(iii) केरल राज्यप में 205 कि.मी. लम्बी उद्योगमंडल और चम्पा कारा नहर के साथ कोट्टापुरम से कोल्लयम के बीच पश्चिमी तटीय नहर को 1993 में एनडब्यू□□□-3 के रूप में घोषित किया गया था।

(iv) आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु राज्यों और पुडुचेरी संघ राज्य क्षेत्र में 1078 कि.मी. गोदावरी और कृष्णां नदियों के साथ काकीनाड़ा-पुडुचेरी नहरों को 2008 में एनडब्यूद□□□-4 के रूप में घोषित किया गया था।

(v) पश्चिम बंगाल और ओडिशा के राज्यों□ में 588 कि.मी से लम्बी◌ा ब्रह्माणी नदी और महानदी डेल्टा नदियों से जुड़ी पूर्व तटीय नहर को 2008 में एनडब्यूम□□□-5 के रूप में घोषित किया गया था।

राष्ट्री□य राजमार्गों के विकास का मुख्य उद्देश्यष परिवहन के लिए सुरक्षित और वाणिज्यिक रूप से नौगम्य जलमार्ग उपलब्ध् करायाजाना है। जलमार्ग को किफायती प्रदूषण मुक्त् माना जाता है और इसे सड़क और रेल परिवहन के वैकल्पिक तरीके के रूप में भी माना जाता है।

प्रारम्भिक अध्यायन के आधार पर , आंध्र प्रदेश , काकीनाडा, राजमुंदरी, एलुरु, विजयवाड़ा और कृष्णापट्टनम में एनडब्यू □□□-4 का टर्मिनल प्रस्तागवित है। एनडब्यू प □-4 के पूरे जलखंड के विकास के लिए विस्तृयत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के अनुसार अनुमानित लागत 2009 के मूल्यि सूचकांक के आधार पर 1515 करोड़ रू. है। चूंकि विभिन्ना अध्य यन/सर्वेक्षण चल रहें, हैंरियोजना के पूरा होने का समय और विस्तृनत लागत अनुमान को केवल परियोजना प्रस्ता्वों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही निर्धारित किया जा सकता है।

*****